उत्तर-पुस्तिका

Me 'n' Mine

हिंदी

(PULLOUT WORKSHEETS)

कक्षा VI के लिए

डॉ० भूपेंद्र सिंह
एम०ए०, एम०एड्०, पीएच०डी०
हिंदी विभागाध्यक्ष, अरावली इंटरनेशनल स्कूल
फरीदाबाद

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्रा०लि०
नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

खंड-क (अपठित बोध)

हल सहित उदाहरण

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–प्रिय त्योहार: दीपावली।
2. दीपावली को त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है।
3. इस त्योहार के साथ यह धार्मिक गाथा जुड़ी है कि श्री राम 14 वर्ष की वनवास काटकर लक्ष्मण और सीता सहित अयोध्या लौटे थे।
4. दीपावली के दिन लोग लक्ष्मी की पूजा करते हैं।
5. बच्चों का यह सबसे प्रिय त्योहार है, क्योंकि वे इस दिन जी भरकर पटाखे चलाते हैं।

2. 1. पक्षी पिंजरे में बंद रहकर गा नहीं पाएँगे।
2. पक्षियों के अनुसार कनक-तिलियों से टकराने का परिणाम होगा उनके पंख टूट जाएँगे।
3. कवि के अनुसार पक्षी बहता जल पीने वाले हैं।
4. सोने की कटोरी की मैदा की अपेक्षा उन्हें नीम की कड़ुवी निबौरी खाना अच्छा लगता है।
5. 'कनक' के दो पर्यायवाची हैं–कुंदन, स्वर्ण।

अभ्यास-कार्यपत्रिका–1

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है–मेघालय की झलक, बादलों का घर : मेघालय, मेघालय : एक अद्‌भुत प्रदेश।
2. मेघालय की राजधानी का नाम शिलांग है।
3. मेघालय तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा है।
4. मेघालय की पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है।
5. मेघालय के हर अंचल की विशेषता है–
(क) अपनी अलग संस्कृति (ख) अपने अलग पर्व-उत्सव
(ग) अपने अलग रीति-रिवाज़

2. 1. इन पंक्तियों में हमारे देश भारत की विशेषताओं का गुणगान किया गया है।
2. हमारे देश की उत्तर दिशा में रक्षा नागराज हिमालय करता है।
3. यहाँ पर गंगा-यमुना नदियाँ बहती हैं।
4. फसलों का अधिक उत्पादन होना।
5. सौभाग्य–अच्छा भाग्य नगराज–पर्वतों का राजा

अभ्यास-कार्यपत्रिका–2

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–बूढ़ी अम्मा
2. बूढ़ी अम्मा की खुशी का कारण है–पोते का घर आना।
3. बूढ़ी अम्मा के घुटने काम के कारण जुड़ जाते हैं।
4. ताँगा रुकने पर बूढ़ी अम्मा दरवाज़े की तरफ तेजी से भागी और बेटू को गोद में उठा लिया।
5. बहू की इस बात पर अम्मा को विश्वास नहीं हुआ कि इस बार बेटू को वे ही रखेंगी।

2. 1. प्रस्तुत पद्यांश में तरह-तरह के फलों और सब्ज़ियों की विशेषताओं का सजीव चित्रण किया है।
2. आड़ू, नींबू, अनार, आलू, गोभी, बैंगन, मूली, पालक, धनिया, लौकी, सेम, टमाटर आदि पककर तैयार हो गई हैं।
3. पके हुए अमरूद पीले रंग के हो गए हैं जिन पर लाल-लाल चित्तियाँ हैं।
4. बेर पककर सुनहले तथा टमाटर लाल हो गए हैं।
5. दाड़िम–अनार तरु–पेड़

अभ्यास-कार्यपत्रिका–3

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक–पेड़-पौधों की उपयोगिता
2. मिट्टी के नीचे पड़ा बीज वर्षा की शुरुआत में दो-एक दिन पानी बरसने के बाद अंकुरित हुआ।
3. उठते अंकुर की तुलना छोटे शिशु द्वारा अपना नन्हा-सा सिर उठाकर आश्चर्य से नई दुनिया को देखने से की गई है।
4. जड़ पौधे का वह अंश, जो मिट्टी के भीतर प्रवेश करता है।
5. पेड़-पौधे जड़ों द्वारा माटी से रस-पान करते हैं।

2. 1. विपत्ति आने पर कायर व्यक्ति डर जाता है।
2. विपत्ति के समय शूरवीर/साहसी व्यक्ति धीरज नहीं खोता।
3. जब शूरवीर बिना डरे आगे बढ़ता है, तब पर्वत के पाँव उखड़ जाते हैं।
4. साहसी मनुष्य जब ज़ोर लगाता है, तब पत्थर भी पानी बन जाता है अर्थात् कठिन से कठिन मुसीबत भी हल हो जाती है।
5. प्रस्तुत पद्यांश के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि हमें जीवन में बिना डरे, धैर्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए और साहस के साथ मुसीबतों का सामना करना चाहिए।

अभ्यास-कार्यपत्रिका–4

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक–साहस की ज़िंदगी।
2. साहस की ज़िदगी को सबसे बड़ी ज़िंदगी बताया गया है।
3. साहस की ज़िंदगी (साहसी ज़िंदगी) की पहचान है कि वह बिल्कुल निडर और बेखौफ होती है।
4. साहसी मनुष्य वह होता है जो चिंतामुक्त रहते हुए जनमत की उपेक्षा करके जीता है।
5. कायर और दुश्मन का सही विलोम है – निडर और मित्र।

2. 1. इस पद्यांश में कवि ने सावन के बादलों (मेघ) का वर्णन किया है।
2. सावन में मेघ झम-झम बरसते हैं।
3. बिजली मेघों के हृदय में चमक रही है।
4. ताड़ के वृक्षों की उंगलियाँ लंबी तथा हथेलियाँ चौड़ी हैं।
5. घन – बादल करतल – हथेली

अभ्यास-कार्यपत्रिका–5

1. 1. विश्व विजेता सिकंदर के गुरु अरस्तू थे।
2. गुरु ने भारत से संत लाने के लिए कहा।
3. सिकंदर को ग्रीस लौटते समय याद आया कि उसके गुरु ने उसे भारत से एक संत लाने को कहा था।
4. संत ने सिकंदर के दूत को कहा कि मैं आराम कर रहा हूँ, मुझे परेशान मत करो।
5. सिकंदर ने साधु को मौत के घाट उतारने के भय से डराने का प्रयास किया।

2. 1. कवि की दृष्टि में सरसों सयानी हो गई है।
2. सरसों शादी के मंडप में पधारी है।
3. फागुन का महीना फाग गा रहा है।
4. कवि के पैरों के पास पोखर (तालाब) है, उसमें पानी भरा हुआ है और पानी में लहरें उठ रही हैं।
5. हाथ-पीले करना मुहावरे का अर्थ है – शादी करना–रामसिंह ने अपनी बड़ी बेटी के हाथ पीले कर दिए।

अभ्यास-कार्यपत्रिका–6

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–अद्भुत ग्रह : शनि।
2. बृहस्पति सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है।
3. ज्योतिषियों ने शनि के बारे में कहा है कि यह अशुभ ग्रह है, यह आसानी से राशि का पीछा नहीं छोड़ता है तथा यह जिस राशि में होता है, उस पर बुरा (भयंकर) प्रभाव डालता है।
4. शनि ग्रह सूर्य के चारों ओर एक चक्कर करीब 30 वर्ष में पूरा करता है।
5. शनि ग्रह पर जीवन संभव नहीं है, क्योंकि इसका तापमान शून्य से 150° सेंटीग्रेड नीचे रहता है।

2. 1. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–मृत्तिका।
2. प्रस्तुत काव्यांश में मिट्टी अपनी बात बता रही है।
3. किसान मिट्टी को हल की फाल से चीरते हैं।
4. धरती फसल पैदाकर मातृरूपा बनती है।
5. मिट्टी कलश बनकर अंतरंग प्रिया हो जाती है।

अभ्यास-कार्यपत्रिका–7

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–मेरा भारत महान, मेरे सपनों का भारत, मेरा प्यारा भारतवर्ष।
2. भारत का नाम राजा भरत के नाम पर पड़ा।
3. प्राचीन काल में भारत को आर्यावर्त नाम से पुकारा जाता था।
4. भारत के पश्चिम में हिंद महासागर स्थित है।
5. भारत में क्रमशः छः ऋतुओं का आगमन होता है।

2. 1. कोयल कूक-कूककर आमों में मिसरी घोलती है।
2. कोयल को मीठा बोलना माँ ने सिखाया।
3. कोयल चिड़ियों की रानी कहलाती है।
4. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–कोयल।
5. 'कोयल' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द हैं–श्यामा/कोकिल/वसंतदूत

अभ्यास-कार्यपत्रिका–8

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्ष है–रवींद्रनाथ टैगोर।
2. रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई, 1861 में कोलकाता के जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी में हुआ था।
3. रवींद्रनाथ टैगोर ने भारत के लिए राष्ट्रगान–'जन-गण-मन...' की रचना की।
4. रवींद्रनाथ ने अपनी रचना और कर्म के द्वारा सनातन धर्म को अपनाया।
5. रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित कुछ पुस्तकों के नाम हैं–गीतांजली, गीताली, कथा और कहानी, कणिका, शिशु भोलानाथ, क्षणिका।

2. 1. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–बलिदान।
2. कवि कलम से जयकार लगाने के लिए कह रहा है।
3. कवि निःस्वार्थ बलिदानियों के लिए जयकार करने के लिए कह रहा है।
4. 'दीप' के दो पर्यायवाची शब्द हैं–दीपक/दीया।
5. 'जय' एवं लघु का विपरीतार्थक शब्द है–पराजय एवं दीर्घ।

अभ्यास-कार्यपत्रिका–9

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–स्वामी विवेकानंद।
2. विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कोलकाता में हुआ था।

3. इनका प्रिय खेल राजा और दरबार था।
4. ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय ने की थी।
5. विवेकानंद ने 1898 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

2. 1. उपर्युक्त काव्यांश कर उपयुक्त शीर्षक है–हरियाली।
2. कवि थोड़ी धरती की इच्छा रखता है।
3. कवि के जलाशय में ताज़ी हवा अपने अंग भिगो रही है।
4. कवि पाठक से पेड़ नहीं कटने देने के लिए कह रहा है।
5. 'खुशबू' के दो पर्यायवाची हैं–सुगंध और सौरभ।

अभ्यास-कार्यपत्रिका–10

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है–गुरु-ऋण/आशुतोष काका
2. बिना बटनों वाला मोटा कुरता, अधमैला जनेऊ और जनेऊ में काले धागे से बंधी लोहे की एक चाबी।
3. आशुतोष काका ने विकास और बिट्टी को तीसरी से नौवीं तक पढ़ाया।
4. काका ने बच्चों को समझाया कि चिंता मौत से भी बुरी चीज़ होती है। वह हमारे जीवन को कुतर-कुतरकर खा जाती है।
5. आशुतोष ने माँ को रेशम की धोती और खद्दर का कुरता भेंट किया था।

2. 1. इस काव्यांश में कवि भिखारी की बात कर रहा है।
2. पेट-पीठ दोनों मिलकर एक हैं–पंक्ति का आशय है कि कई दिनों से भूखा रहने के कारण भिखारी का पेट भीतर धँस गया है।
3. आगंतुक की दशा अत्यंत दयनीय है, फटी हुई झोली को लोगों के आगे फैलाता है।
4. कई दिनों के भूखा भिखारी भीख माँगता हुआ तथा पछताता हुआ आ रहा है।
5. लकुटिया/पथ के शब्दार्थ हैं–लाठी/राह।

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

भाषा, लिपि और व्याकरण

अभ्यास-कार्यपत्रिका–11

1. 1. भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है और बोली का क्षेत्र सीमित होता है।
2. लिखित भाषा के लाभ निम्नलिखित हैं–
   1. भाषा में स्थायित्व आता है। 2. भाषा सुरक्षित रहती है। 3. भाषा में एकरूपता बनती है।
3. किसी भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्न को लिपि कहते हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है।
4. व्याकरण हमें शुद्ध लिखना, पढ़ना, बोलना और व्यवहार करना सिखाती है।
5. भारत की अधिकांश भाषाओं की लिपियाँ बाईं से दाईं ओर लिखी जाती हैं। फारसी लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती है।
6. भारत की राजभाषा हिंदी है। इसे भारतीय संविधान सभा द्वारा राजभाषा के रूप में 14 सितंबर, 1949 को स्वीकृत किया गया था।
7. मौखिक और लिखित भाषा में अंतर–
   - मौखिक भाषा को ध्वनियों की सहायता से बोला जाता है, किंतु लिखित भाषा में ध्वनि-चिह्नों द्वारा बात को लिखकर प्रकट किया जाता है।
   - मौखिक भाषा सहज रूप से सीखी जा सकती है, जबकि लिखित भाषा प्रयत्नपूर्वक सीखी जाती है।
   - मौखिक भाषा के लिए यह आवश्यक है कि श्रोता बोलने वाले के पास ही हो, लेकिन आजकल टेलीफोन और टी०वी० से भी वक्ता दूरस्थ लोगों से संपर्क साध सकता है, जबकि लिखित भाषा पुस्तकों, समाचार-पत्रों आदि के माध्यम से जन-जन तक विचारों को पहुँचाती है।

2. 1. हिंदी, संस्कृत (ङ) देवनागरी
2. अंग्रेज़ी, जर्मन (घ) रोमन
3. पंजाबी (च) गुरुमुखी
4. बंगाली (ख) बांग्ला
5. उर्दू (ग) फ़ारसी
6. रूसी (क) रूसी

अभ्यास-कार्यपत्रिका–12

भाषा, लिपि और व्याकरण

1. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓
6. ✓ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✓ 10. ✓

2. 1. भाषा 2. लिपि 3. फारसी 4. देवनागरी 5. मौखिक/लिखित
6. हिंदी 7. व्याकरण 8. बोली 9. देवनागरी 10. मातृभाषा

3. 1. पंजाब (ग) पंजाबी
2. केरल (ङ) मलयालम
3. तमिलनाडु (घ) तमिल
4. गुजरात (क) गुजराती
5. पं० बंगाल (ख) बंगाली

वर्ण-विचार

अभ्यास-कार्यपत्रिका–13

1. 1. दो 2. व्यंजन 3. य्, र्, ल्, व् 4. श्, ष्, स्, ह् 5. स्पर्श व्यंजन

2. 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✗

3. 1. अनुनासिक 2. व्यंजन 3. अनुस्वार 4. संयुक्त व्यंजन 5. अंतस्थ व्यंजन 6. अयोगवाह

4. 1. प्, फ्, म्–प वर्ग 2. त्–त वर्ग 3. अ, इ, उ, ए, आ, ऊ, ई, ऐ–स्वर
4. य्, व्, र्, ल्–अन्तःस्थ 5. स्, श्–ऊष्म 6. ज्ञ, क्ष, श्र, त्र–संयुक्त व्यंजन

वर्ण-विचार

अभ्यास-कार्यपत्रिका–14

1. 1. प्रसन्न, संपन्न 2. पक्का, मक्का 3. हट्टा, कट्टा 4. सम्मान, अम्मा

2. 1. कुछ 2. चैन 3. गोभी 4. कृष्ण 5. नौकर 6. झाड़ू

3. 1. विद्यालय 2. भारतीय 3. योग्यता 4. सोना 5. कपूत

4. 1. क् + ऋ + ष् + ण् + अ 2. स् + अ + र् + अ + क् + आ + र् + अ
3. व् + अ + र् + ण् + अ 4. प् + अ + र् + इ + श् + र् + अ + म् + अ

5. 1. कवयित्री 2. आशीर्वाद 3. ऐतिहासिक 4. रचयिता

6. 1. हंस 2. हिंदी **7.** 1. चाँद 2. चाँदी

शब्द और उनका वर्गीकरण

अभ्यास-कार्यपत्रिका–15

1. 1. पद 2. चार 3. तीन 4. दो

2. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓

3. 1. (ख) तत्सम,तद्भव, देशज,विदेशी शब्द
2. (ग) रूढ़, यौगिक, योगरूढ़ शब्द
3. (घ) विकारी, अविकारी शब्द
4. (क) सार्थक, निरर्थक शब्द

4. 1. तत्सम – क्षीर, कर्ण, मुक्ता, हस्त।
2. तद्भव – हाथी, गाँव, आग, हाथ।
3. देशी – लोटा, खटिया, पगड़ी, खिड़की
4. विदेशी – डायरी, कागज़, टैक्सी, खून।

5. 1. नाच 2. बहू 3. काम 4. माता 5. साँप 6. मोर

शब्द और उनका वर्गीकरण

अभ्यास-कार्यपत्रिका–16

1. 1. स्वप्न 2. मस्तक 3. गृह 4. दंत 5. सूर्य 6. हस्ती

2. 1. रूढ़ – खिड़की, लड़का, दुकान।
2. यौगिक – विद्यालय, रसोईघर, सुपुत्र, ईमानदार।
3. योगरूढ़ – पंकज, पीतांबर, नीलकंठ।

3. 1. मज़ाक 2. फालतू 3. संख्या 4. क्रम 5. वातावरण 6. स्वभाव

4. 1. विकारी – घोड़ा, लड़का, खेलना, काला, आएगा, दौड़ना।
2. क्योंकि, परंतु, अभी, ओह, के बिना, शाबाश।

5. 1. अरबी 2. अंग्रेज़ी 3. पुर्तगाली 4. तुर्की 5. चीनी 6. फारसी

शब्द-निर्माण या रचना (उपसर्ग और प्रत्यय)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–17

1. 1. अधर्म 2. अधिनायक 3. अनुराग 4. अवगुण 5. उत्कर्ष
6. दुर्बल 7. निवास 8. परिक्रमा

2. 1. ला 2. वि 3. अन् 4. अभि 5. उप
6. बा 7. सु 8. आ

3. 1. हर्षित 2. घबराहट 3. नैतिक 4. सब्ज़ीवाला 5. ईमानदार
6. दर्शनीय 7. गतिमान 8. खाकर

4. 1. आई 2. आवट 3. एरा 4. इन 5. आऊ
6. गर 7. ई 8. ता

5.

	उपसर्ग		मूलशब्द		प्रत्यय
1.	अभि	+	मान	+	ई
2.	अ	+	धर्म	+	इक
3.	सम्	+	मान	+	इत
4.	सु	+	शिक्षा	+	इत
5.	सु	+	लाभ	+	ता
6.	बे	+	चैन	+	ई
7.	उप	+	कार	+	क
8.	अप	+	मान	+	इत

शब्द-निर्माण: संधि तथा समास

अभ्यास-कार्यपत्रिका–18

1. 1. पराधीन 2. भावार्थ 3. स्वाधीन 4. हिमालय 5. पुस्तकालय
6. धर्मात्मा 7. कार्यालय 8. रेखांकित 9. शिक्षार्थी 10. यथार्थ
11. सद्गति 12. उच्चारण 13. जगन्नाथ 14. नमस्ते 15. मनोज

2. 1. दीप + अवली 2. वीर + अंगना 3. वेद + अंत 4. सार + अंश
5. भोजन + आलय 6. विद्या + आलय 7. शुभ + आरंभ 8. छात्र + आवास
9. दीक्षा + अंत 10. भाव + अर्थ 11. जगत् + ईश 12. सम् + गति
13. उत् + लास 14. नि: + धन 15. नि: + रज

3. संधि शब्द का अर्थ है–मेल अथवा मिलना अथवा समझौता, परंतु व्याकरण में इस शब्द का प्रयोग दो वर्णों के परस्पर मेल की एक विशेष प्रक्रिया के लिए किया जाता है।

परिभाषा–परस्पर दो वर्णों के मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, उसे **संधि** कहते हैं;

जैसे–हिम + आलय = हिमालय (अ + आ = आ)　　रजनी + ईश = रजनीश (ई + ई = ई)　　सु + आगत = स्वागत (उ + आ = वा)

4. संधि के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं– 1. स्वर-संधि, 2. व्यंजन-संधि, 3. विसर्ग-संधि।

1. **स्वर संधि–**दो स्वरों के मिलने से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर-संधि कहते हैं;

   जैसे–रेखा + अंकित = रेंखांकित (आ + अ = आ)　　रमा + ईश = रमेश (आ + ई = ए)

2. **व्यंजन-संधि–**किसी व्यंजन का किसी व्यंजन या स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन-संधि कहते हैं;

   जैस–उत् + लेख = उल्लेख (त् – ल्)　　उत् + चारण = उच्चारण (त् – च्)

3. **विसर्ग-संधि–**विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग-संधि कहते हैं;

   जैसे–निः + रस = नीरस　　मनः + रथ = मनोरथ

शब्द-निर्माणः संधि तथा समास

अभ्यास-कार्यपत्रिका–19

1. कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक अर्थ प्रकट करने वाले तथा आपस में संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों का मेल समास कहलाता है।
2. समास छह प्रकार के होते हैं–1. तत्पुरुष समास–उदा०-राजपुत्र, 2. द्वंद्व समास–उदा०-खट्टा-मीठा, 3. द्विगु समास–उदा०-चौमासा, 4. कर्मधारय समास–उदा०-मृगनयन, 5. बहुव्रीहि समास–उदा०-नीलकंठ, 6. अव्ययीभाव समास–उदा०-यथाशक्ति।
3. 1. चंद्र के समान मुख–कर्मधारय समास　　2. देश के लिए भक्ति–तत्पुरुष समास
   3. पीला है जो अंबर–कर्मधारय समास　　4. जन्म से लेकर–अव्ययीभाव समास
   5. जल और थल–दवंद्व समास　　6. नीला है कंठ जिसका–बहुव्रीहि समास
   7. आँखों के सामने–अव्ययीभाव समास　　8. तीन हैं लोचन जिसके–बहुव्रीहि समास
4. 1. अव्ययीभाव समास　2. द्वंद्व समास　3. द्विगु समास　4. बहुव्रीहि समास
   5. द्विगु समास　6. तत्पुरुष समास　7. अव्ययीभाव समास　8. कर्मधारय समास

शब्द भंडारः पर्यायवाची शब्द

अभ्यास-कार्यपत्रिका–20

1. 1. कान – कर्ण, श्रवण　　2. पक्षी – खग, विहग
   3. पहाड़ – अचल, शैल　　4. अश्व – घोड़ा, तुरंग
   5. समुद्र – सागर, सिंधु　　6. हाथ – कर, पाणि
2. 1. कपड़े　2. दुख　3. गृह　4. गरीब　5. पक्षियों　6. पुत्री
3.

शब्द	पर्यायवाची	शब्द	पर्यायवाची
1. अध्यापक	गुरु	2. आनंद	हर्ष
3. आँख	नयन	4. कपड़ा	वस्त्र
5. तालाब	ताल	6. आकाश	नभ
7. पेड़	वृक्ष	8. फूल	कुसुम

4. 1. स्त्री/अबला　2. विषधर　3. पाषाण/पाहन　4. पंकज　5. शरीर　6. पवन

शब्द भंडार: विलोम शब्द

अभ्यास-कार्यपत्रिका–21

1. 1. निर्यात 2. दुर्जन 3. दुख 4. अपमान 5. अनिच्छा 6. निद्रा
7. दंड 8. निषेध

2. 1. (ख) कायर 2. (ग) निर्जीव 3. (घ) दुराचार 4. (क) कपूत 5. (च) महँगा 6. (ङ) दुर्गंध

3. 1. कायरता 2. फायदा 3. स्थिर 4. हानि 5. अनुज 6. मलिन
7. रंक 8. लघु 9. अनुकूल 10. व्यय

4. 1. राम सदैव महँगी चीज़ें खरीदता है। 2. हमें निर्गुण ब्रह्म की आराधना करनी चाहिए। 3. इस कुएँ का पानी मलिन है।
4. मैंने एक पतली महिला को देखा। 5. मैं गरम/गर्म पानी से नहाता हूँ।

5. 1. निर्जीव 2. स्थावर 3. विपक्ष 4. अनुपस्थित 5. दोषी 6. शत्रु

अनेकार्थी शब्द

अभ्यास-कार्यपत्रिका–22

1. 1. किनारा, बाण 2. वंश, सब 3. पैर, दर्ज़ा 4. प्रकार, रहस्य
5. भारी, शिक्षक 6. धातु का तार, उद्धार 7. माला, पराजय 8. मृत्यु, समय

2. 1. बादल 2. हथौड़ा 3. फल का नाम 4. साधारण 5. बीता हुआ कल
6. मशीन 7. देवता 8. स्वर 9. रंग 10. अक्षर

3. 1. मत (घ) राय, संप्रदाय 2. पद (ग) शब्द, चरण, ओहदा
3. गुरु (क) शिक्षक, बड़ा, चालाक 4. हार (ख) पराजय, माला
5. गति (ज) चाल, दशा, मोक्ष 6. कल (छ) आराम, सुंदर, मशीन
7. अर्थ (ङ) धन, प्रयोजन 8. अंबर (च) कपास, वस्त्र, आकाश

4. 1. कनक – गेहूँ किसान की खेतों में कनक पक गई है।
सोना कनक एक बहुमूल्य वस्तु है।
2. मुद्रा – मोहर राजा ने ईनाम में सौ स्वर्ण मुद्राएँ दीं।
स्थिति आप ठीक मुद्रा में बैठिए।

शब्द भंडार: एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द

अभ्यास-कार्यपत्रिका–23

1. 1. अस्त्र – जो हथियार फेंककर चलाया जाए।
शस्त्र – जो हथियार हाथ में लेकर चलाया जाए।
2. पुत्र – अपना बेटा
बालक – किसी भी बच्चे के लिए
3. पाप – धर्म के विरुद्ध कार्य करना
अपराध – कानून विरोधी कार्य करना
4. अनुरोध – बराबर वालों से
प्रार्थना – ईश्वर या पूज्य व्यक्तियों से
5. अवस्था – जन्म से वर्तमान तक का समय (उम्र)
आयु – पूरा जीवन काल
6. अमूल्य – जिसका मूल्य न आँका जा सके
बहुमूल्य – बहुत कीमती
7. अगम – जहाँ पहुँचा न जा सके
दुर्गम – जहाँ मुश्किल से पहुँचा जा सके
8. पुराना – बहुत दिनों का
प्राचीन – कई शताब्दियों का
9. उपहार – बराबर वालों को दिया जाता है
भेंट – अपने से बड़ों को भेंट दी जाती है
10. अधिक – आवश्यकता से ज़्यादा होना
पर्याप्त – जितना आवश्यक हो, उससे थोड़ा ज़्यादा होना
11. मृत्यु – किसी आम आदमी की मौत
निधन – किसी बड़े व्यक्ति का मौत
12. खेद – गलती करने पर दुख प्रकट करना
शोक – किसी की मृत्यु पर होने वाला दुख

13. आज्ञा – बड़ों द्वारा छोटों को दी जाती है
आदेश – किसी अधिकारी द्वारा दिया जाता है

14. श्रद्धा – अपने बड़े या गुणी व्यक्ति के प्रति पूज्य भाव
भक्ति – ईश्वर या देवता के प्रति पूज्य भाव

15. निर्बल – सामान्य रूप से बल का अभाव
दुर्बल – किसी रोग के कारण बल का अभाव

16. स्वागत – शिष्टाचार वश सम्मान
अभिनंदन– समारोह आयोजित करके सम्मानित करना

17. प्रचार – कोई विचार या बात सबके सामने रखना
प्रसार – फैलाव

18. ग्रंथ – बड़ी और महत्वपूर्ण पुस्तक
पुस्तक – साधारण पुस्तक

19. वध – अत्याचारी या शत्रु का
हत्या – निर्दोष की

20. उपयोग – विशेष रूप से काम में लाना
प्रयोग – सामान्य रूप से काम में लाना

शब्द भंडार: वाक्यांशों के लिए एक शब्द

अभ्यास-कार्यपत्रिका–24

1. 1. घुमक्कड़ व्यक्ति का ज्ञान अधिक होता है।
2. उत्तर इस प्रकार लिखें, जो पठनीय हो।
3. रमेश ठेकेदार है।
4. 'इंडिया टुडे' साप्ताहिक पत्रिका है।
5. धर्मात्मा व्यक्ति परोपकार करते हैं।
6. राम कुशाग्रबुद्धि वाला बालक है।
7. दिल्ली में गगनचुंबी भवन हैं।
8. दसवीं की वार्षिक परीक्षाएँ आरंभ हो गईं।

2. 1. सच्चरित्र 2. निरीक्षक 3. वाचाल 4. वक्ता 5. अनंत
6. जलचर 7. दैनिक 8. दर्शनीय 9. अनुपम 10. सहपाठी

3. 1. धर्मनिरपेक्ष 2. हितोपदेश 3. वक्ता 4. शाश्वत 5. दूरदर्शी 6. दैनिक

4. 1. (छ) रेखांकित 2. (ग) नास्तिक 3. (ज) कृतज्ञ 4. (ङ) क्षणभंगुर
5. (क) समदर्शी 6. (ख) मिताहारी 7. (घ) प्रत्यक्ष 8. (च) नभचर

शब्द भंडार: श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

अभ्यास-कार्यपत्रिका–25

1. 1. अचार – (घ) आम आदि का अचार
आचार – चाल-चलन

2. अपेक्षा – (च) उम्मीद, तुलना में
उपेक्षा – अनादर

3. कपट – (छ) धोखा
कपाट – दरवाज़ा

4. कोष – (ख) खज़ाना
कोश – शब्द-भंडार

5. कुल – (ङ) वंश, योग
कूल – किनारा

6. दिन – (ज) दिवस
दीन – गरीब

7. बात – (क) वार्ता
वात – वायु

8. वदन – (ग) मुख
बदन – शरीर

2. 1. तरंग – लहर
तुरंग – घोड़ा

2. शाम – संध्या
श्याम – काला

3. समान – बराबर
सामान – वस्तुएँ आदि

4. वसन – कपड़ा
व्यसन – बुरी आदत

5. कंकाल – हड्डियों का ढाँचा
कंगाल – निर्धन

6. प्रसाद – मंदिर का प्रसाद
प्रासाद – महल

7. योग – जोड़
योग्य – लायक

8. अपकार – बुराई
उपकार – भलाई

3. 1. राम नियत समय पर समारोह में पहुँच जाएगा।
2. राधा स्कूल से सीधे अपने गृह चली गई।
3. आप अपना कर्म करें, फल की चिंता छोड़ दें।
4. श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए पानी लेने गया।

4. 1. शाल 2. बदन 3. अलि 4. फन

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–26

1. 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓

2. 1. मोहन 2. 12 अगस्त 3. पानीपत 4. राखी 5. सोहन
6. श्री प्रदीप कुमार 7. क्रिकेट 8. रामचरितमानस 9. रवि

3.

क्र०सं०	संज्ञा शब्द	भेद का नाम	क्र०सं०	संज्ञा शब्द	भेद का नाम
1.	गीता	व्यक्तिवाचक	2.	अनुशासनहीनता	भाववाचक
3.	बाज़ार	जातिवाचक	4.	प्रशंसा	भाववाचक

4. 1. ताजमहल 2. भारत 3. रामचरिमानस 4. मिठास

5. 1. व्यक्तिवाचक – सोना, गीता, दिल्ली, रवि
2. जातिवाचक – कक्षा, मानव, पुस्तक, बूढ़ा, पहाड़, पंडित
3. भाववाचक – मिठास, मानवता, निकटता, राज, स्वास्थ्य, अहंकार

6. 1. यौवन 2. मानवता 3. संस्कार 4. चढ़ाई 5. बुढ़ापा 6. रुलाई

7. 1. चढ़ाई 2. सजावट 3. अहंकार 4. आपा

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–27

1.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
कुंभ	मेला	जिद्द
किशन	वर्षों	बचपन
नासिक	मेले	संन्यास
मोहित	भाई	दुख
गंगा	माँ	आश्चर्य
हरिद्वार	चाचा	आध्यात्मिकता
	बच्चे	
	संन्यासी	
	बालक	
	घर	

2. 1. विदाई 2. पथराव 3. सज्जनता 4. स्वाभिमान

3. 1. इनसानियत 2. निकटता 3. सज्जनता 4. पढ़ाई 5. जवानी

4. 1. राष्ट्र 2. भाई 3. सेवक 4. व्यक्ति 5. मातृ

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–28

1. **पुल्लिंग :** झोंपड़ा, गरीब, पर्वत, मंगलवार, आम, महोदय।
स्त्रीलिंग : घड़ी, दाल, खिड़की, कक्षा, दीपावली।

2. 1. गायक 2. सत्यवादी 3. वृद्ध 4. लड़का 5. लोटा 6. जुलाहा

3. 1. बूढ़ी 2. मालिन 3. भीलनी 4. पाठिका 5. भवदीया 6. अभिनेत्री

4. 1. वधू 2. वीरांगना 3. योगिनी 4. स्वामिनी 5. बुढ़िया 6. बकरी
7. गायिका 8. कवयित्री 9. सम्राज्ञी 10. विदुषी

5. 1. गाय – बैल 2. बालिका – बालक 3. सेठ – सेठानी 4. नागिन – नाग
5. लाला – ललाइन 6. भगवती – भगवान 7. विधुर – विधवा 8. साध्वी – साधु

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–29

1. 1. साध्वी 2. पुत्रियाँ 3. कुम्हार 4. बंदरिया 5. धोबिन 6. रानी

2. 1. सबने गायक की खूब तारीफ़ की। 2. लड़की खेल रही है। 3. लड़कों ने वृद्ध की सेवा की।
4. यह छात्र अत्यंत बुद्धिमान है। 5. रमा की जेठानी अध्यापिका है।

3. 1. डॉक्टर 2. चाचा 3. नौकर 4. धोबी 5. मालिन

4. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗

5. **स्त्रीलिंग–** 1. कोयल 2. छिपकली 3. मकड़ी 4. तितली

6. **पुल्लिंग–** 1. चीता 2. भालू 3. मच्छर 4. कौआ

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–30

1. वचन

2. दो

3. दो

4. तीन

5. 1. नदियाँ 2. आँख 3. चिड़ियाँ 4. नीति 5. कन्या 6. पुस्तक

6. 1. कविताएँ 2. शक्तियाँ 3. अँगूठियाँ 4. धेनुएँ

7. 1. पक्षी 2. मेज़ें 3. मछलियाँ 4. कथाएँ

8. 1. सीता की माता जी आ गईं। 2. मेरे बाल झड़ गए। 3. वहाँ अनेक लोग थे।
4. हमारे सभी गुरु अच्छे हैं।

9. **एकवचन :** हवा, सूरज, आग

10. **बहुवचन :** बाल, लोग, दर्शन

11. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–31

1. 1. कर्ता कारक 2. अपादान कारक 3. अधिकरण कारक 4. परसर्ग

2. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓

3. 1. ने, की 2. के 3. ने 4. से 5. के लिए
6. ने, से 7. में 8. पर

4. 1. अपादान कारक 2. कर्ता कारक 3. कर्म कारक 4. संप्रदान कारक 5. संबंध कारक
6. संबंध कारक 7. संबोधन कारक 8. करण कारक

5. 1. अपादान 2. कर्म 3. करण 4. अधिकरण

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास-कार्यपत्रिका–32

1. 1. कर्ता 2. अपादान 3. अपादान 4. संबोधन कारक

2. 1. राम पढ़ेगा। 2. घर-घर में शांति स्थापित करो/घर-घर में शांति की स्थापना करो।
3. मैं रेलवे स्टेशन पर मिलूँगा। 4. राम ने हिरन को मारा। 5. बच्चे कक्षा के बाहर आ गए।
6. डॉक्टर ने रोगी को दवाई पिलाई। 7. गंगा हिमालय से निकलती है। 8. माली ने पौधों को पानी दिया।

3. 1. कर्म कारक (बच्चों को) 2. कर्म कारक (सुरेश को) 3. संप्रदान कारक (को उपहार)
4. कर्म कारक (सोहन को) 5. संप्रदान कारक (को, प्रमाण-पत्र) 6. संप्रदान कारक (को मिठाई)
7. कर्म कारक (कर्ण को) 8. संप्रदान कारक (को दान)

4. 1. अपादान कारक (से बाहर) 2. करण कारक (कलम से) 3. करण कारक (बस से)
4. अपादान कारक (विद्यालय से) 5. अपादान कारक (हिमालय से) 6. करण कारक (चॉक से)
7. करण कारक (चाकू से) 8. अपादान कारक (हाथ से)

5. छात्र स्वयं करें।

सर्वनाम

अभ्यास-कार्यपत्रिका–33

1. सर्वनाम

2. छह

3. 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निजवाचक सर्वनाम 3. प्रश्नवाचक सर्वनाम 4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

4. 1. तुम्हारी 2. स्वयं 3. जो, वह 4. अपने-आप 5. वे 6. कौन

5. 1. अनिश्यवाचक सर्वनाम 2. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम 3. प्रश्नवाचक सर्वनाम 4. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

6. स्वयं कीजिए।

7. **निश्चयवाचक सर्वनाम**–जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे–यह, वह।
यह मेरी कलम है। **वह** मंदिर जाता है।
अनिश्चयवाचक सर्वनाम–जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध न हो, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे–कोई, कुछ।
बाहर **कोई** खड़ा है। पानी में **कुछ** पड़ा है।

8. **संबंधवाचक सर्वनाम**–जो सर्वनाम शब्द वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम शब्द से संबंध बताता है, वे संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैस–जो-सो, जैसा-वैसा, जितना-उतना, जिसकी-उसकी।
जो करेगा, **सो** भरेगा **जिसकी** लाठी, **उसकी** भैंस
जैसा करोगे, **वैसा** भरोगे।
निजावाचक सर्वनाम–जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता के साथ अपनेपन का ज्ञान कराने के लिए किया जाए, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं, जैसे– अपने-आप, स्वयं।
आप कल सभा में नहीं आए थे। यह काम मैं **स्वयं** कर लूगाँ।

सर्वनाम

अभ्यास-कार्यपत्रिका–34

1. 1. कोई 2. यह 3. कौन 4. उसने 5. जिसकी, उसकी
6. स्वयं 7. क्या 8. वह 9. जिसे 10. स्वयं

2. 1. अपने 2. आपके 3. मुझे 4. किसी 5. वह
6. किसका 7. जिसमें 8. कोई 9. तुम्हें 10. कुछ

3. 1. छह 2. उत्तम पुरुषवाचक 3. संज्ञा 4. संबंधवाचक सर्वनाम

4. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓

विशेषण

अभ्यास-कार्यपत्रिका–35

1. विशेषण

2. विशेष्य

3. प्रविशेष्य

4. चार

5. **सर्वनाम**

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं। जैसे–

मैं कल शहर जा रहा हूँ।

तुम अभी कक्षा में बैठो।

सार्वनामिक विशेषण

जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले लगकर उसकी विशेषता बताते हैं, सर्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। जैसे–

यह घर मेरा है।

मेरी बहन कल आ रही है।

6. **संख्यावाचक विशेषण**–जिन विशेषण शब्दों द्वारा (संज्ञा या सर्वनाम की) संख्या का बोध होता है, उन्हें **संख्यावाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे–दस, दो, कुछ, कई, काफी आदि।

परिमाणवाचक विशेषण–जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु की माप-तोल संबंधी विशेषता का बोध हो, उन्हें **परिमाणवाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे–दो मीटर, दस लीटर आदि।

7. **प्रविशेषण**–जो विशेषण शब्द विशेषणों की भी विशेषता बताते हैं, वे **प्रविशेषण** कहलाते हैं; जैसे–

सीता **बड़ी** चालाक है।

सोहन **बहुत** चतुर है।

रवि **बिलकुल** स्वस्थ है।

8. **विशेषण की अवस्थाएँ**

तुलना के आधार पर विशेषण की निम्नलिखित तीन अवस्थाएँ होती हैं–

1. **मूलावस्था**–जिसमें किसी प्रकार की तुलना नहीं होती, केवल एक व्यक्ति या वस्तु की विशेषता बताई जाती है; जैसे–मोहन चतुर लड़का है।
2. **उत्तरावस्था**–जब विशेषण द्वारा दो विशेष्यों (व्यक्तियों/वस्तुओं) की तुलना करके एक को दूसरे से बढ़कर या कम बताया जाता है; जैसे–मोहन सोहन से चतुर लड़का है। सोहन रवि से अच्छा लड़का है।
3. **उत्तमावस्था**–जब किसी विशेषण द्वारा दो या दो से अधिक विशेष्यों (व्यक्तियों/वस्तुओं) की तुलना करके उनमें से किसी एक को सबसे बढ़कर या कम बताया जाता है;
   जैसे–मोहन सबसे चुतर लड़का है। सोहन सबसे अच्छा लड़का है।

9. 1. दानी 2. बुरे 3. थोड़ा 4. विशाल 5. एक दर्ज़न
6. छठी 7. चार 8. दो किलो

10. 1. भारतीय 2. पाँचवीं 3. छोटे 4. शक्तिशाली 5. मानवीय
6. भीतरी 7. मासिक 8. पथरीला

विशेषण

अभ्यास-कार्यपत्रिका–36

1. 1. गुणवाचक 2. गुणवाचक 3. निश्चित संख्यावाचक 4. अनिश्चित संख्यावाचक
5. गुणवाचक 6. निश्चित संख्यावाचक

2. 1. बहुत 2. बहुत 3. लगभग 4. बिल्कुल
5. बड़ा 6. अति

3. 1. भाग्यशाली 2. आदरणीय 3. दैनिक 4. सच्चाई
5. नैतिक 6. पूज्य 7. सुखी 8. क्रोधी

4. **सामाजिक** – दहेज एक **सामाजिक** बुराई है।
दर्शनीय – कुरुक्षेत्र एक **दर्शनीय** स्थल है।
दैनिक – पंजाब केसरी एक **दैनिक** समाचार-पत्र है।

5.

	उत्तरावस्था	**उत्तमावस्था**
1.	लघुतर	लघुतम
2.	महानतर	महानतम
3.	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
4.	कठोरतर	कठोरतम

क्रिया तथा काल

अभ्यास-कार्यपत्रिका–37

1. क्रिया

2. मुख्य क्रिया

3. नामधातु क्रिया

4. 1. दौड़ रहा है।
2. हँसती है।

5. 1. दे रहा है। 2. आएगी। 3. गए हैं। 4. आता है। 5. बोलती है।
6. दौड़ता है। 7. आएँगे 8. पढ़ा रहा है। 9. लिखता है। 10. उड़ा रहे हैं।

6. 1. जाऊँगा 2. सुनाई 3. उड़ रहे। 4. सुलाती। 5. धोता
6. नचाया 7. होती 8. लौटा 9. रहूँगा 10. दिलवाया

7. **कर्म के आधार पर क्रिया के भेद**–कर्म के आधार पर क्रिया के निम्नलिखित दो भेद होते हैं :

1. अकर्मक 2. सकर्मक

1. **अकर्मक**–अकर्मक क्रिया का अर्थ है–कर्म रहित क्रिया। जिन क्रियाओं के व्यापार का फल कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे–
पक्षी उड़ते हैं बालक सोता है। सीता पढ़ती है। गीता नाचती है।

2. **सकर्मक**–सकर्मक क्रिया का अर्थ है–कर्म सहित अर्थात् कर्म के साथ क्रिया। जिन क्रियाओं के व्यापार का फल सीधा कर्म पर पड़ता है। उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे–
रवि पुस्तक पढ़ता है। कुम्हार घड़े बनाता है। माँ खाना बनाती है। सोहन ने दूध पिया।

8. व्युत्पत्ति/संरचना के आधार पर क्रिया के भेद–

1. **सामान्य क्रिया**–मूल धातु (क्रिया) में 'ना' प्रत्यय लगकर बनने वाली क्रियाएँ सामान्य क्रियाएँ कहलाती हैं;
जैसे–खेल + ना = खेलना, पढ़ + ना = पढ़ना, लिख + ना = लिखना, जा + ना = जाना।

2. **संयुक्त क्रिया**–जब किसी वाक्य में एक से अधिक क्रियाएँ मिलकर मुख्य क्रिया का काम करती हैं, उन्हें संयुक्त क्रियाएँ कहते हैं;
जैसे–मोहन ने खाना **खा लिया**। रवि **रोने लगा**।
सोहन बाज़ार **चला गया**। वह **पढ़ रहा है**।

3. **पूर्वकालिक क्रिया**–जब मुख्य क्रिया के होने से पूर्व किसी क्रिया के पूर्ण (पूरा) होने का भाव हो, उसे पूर्वकालिक क्रियाएँ कहते हैं; जैसे–रवि **पढ़कर** सो गया। सोहन **नहाकर** चला गया। गीता **नहाकर** पूजा करती है।

क्रिया तथा काल

अभ्यास-कार्यपत्रिका–38

1. 1. गए/जाएँगे 2. काटती है। 3. पढ़ता रहता है। 4. खेल रहा है। 5. पढ़ता है।
6. दौड़ता है। 7. सो गया। 8. पढ़ती है।

2. 1. गीता ज़्यादा बोलती है। 2. बच्चा हँस रहा है। 3. रवि तेज़ दौड़ता है। 4. बच्चा दूध पीते-पीते सो गया।
5. सोहन बच्चे को रुला रहा है। 6. माँ ने खाना बनाया। 7. गाय को पानी पीती है। 8. मोहन पुस्तक पढ़ता है।

3. 1. मोहन, पी रहा है। 2. रवि, लिखता है। 3. माँ, बना रही है। 4. किसान ने, बोए।
5. सुनार, बना रहा है। 6. नौकर, धो रहा है। 7. डाकिया, बाँटता है। 8. रमेश, खा चुका है।

क्रिया तथा काल

अभ्यास-कार्यपत्रिका–39

1. काल

2. भविष्यत् काल

3. वर्तमान काल

4. 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. वर्तमान काल 4. भूतकाल 5. भूतकाल
6. भविष्यत् काल 7. वर्तमान काल 8. वर्तमान काल

5. 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓

6.

भूतकाल	**भविष्यत् काल**
1. सीता फूल तोड़ रही थी।	1. सीता फूल तोड़ेगी।
2. सोहन ने खाना खाया।	2. सोहन खाना खाएगा।
3. धोबी ने कपड़े धोए।	3. धोबी कपड़े धोएगा।
4. रवि तालाब में तैर रहा था।	4. रवि तालाब में तैरेगा।

7.

वर्तमान काल	**भविष्यत् काल**
1. माँ खाना बनाती है।	1. माँ खाना बनाएगी।
2. राम कहानी पढ़ता है।	2. राम कहानी पढ़ेगा।
3. राधा गीत गाती है।	3. राधा गीत गाएगी।

8.

भूतकाल	**वर्तमान काल**
1. किशन ने खाना खाया।	1. किशन खाना खाता है।
2. पिता जी आगरा गए।	2. पिता जी आगरा जाते हैं।
3. मालती ने अपना गृहकार्य किया।	3. मालती अपना गृहकार्य करती है।

अव्यय या अविकारी शब्द: क्रियाविशेषण

अभ्यास-कार्यपत्रिका–40

1. चार

2. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

3. 1. क्रियाविशेषण
2. क्रियाविशेषण

4. 1. सदैव 2. धीरे-धीरे 3. शांतिपूर्वक 4. ऊपर 5. प्रतिदिन
6. थोड़ा 7. इधर-उधर 8. तेज़ 9. पर्याप्त

5. 1. बहुत 2. अभी 3. बहुत 4. ध्यानपूर्वक 5. अचानक
6. थोड़ा-ही 7. ऊपर 8. कम 9. यहाँ

6. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓
6. ✗ 7. ✓

अव्यय या अविकारी शब्द: संबंधबोधक

अभ्यास-कार्यपत्रिका–41

1. अविकारी शब्द (अव्यय)

2. संबंधबोधक

3. 1. के ऊपर 2. से पहले 3. के पास 4. के सामने 5. की तरह
6. के अलावा 7. के बारे 8. के नीचे 9. के कारण

4. 1. से पहले 2. के ऊपर 3. के सामने 4. के साथ 5. के पीछे
6. के बिना 7. के बाहर 8. के अंदर 9. के बाद

5. स्वयं कीजिए।

अव्यय या अविकारी शब्द: समुच्चयबोधक

अभ्यास-कार्यपत्रिका–42

1. 1. समुच्चयबोधक 2. दो 3. योजक शब्द

2. 1. परंतु 2. ताकि 3. जैसा कि 4. मानो 5. यद्यपि, तथापि 6. यदि, तो

3. 1. परंतु 2. मानो 3. अन्यथा 4. ताकि 5. कि 6. अत:

4. स्वयं कीजिए।

अव्यय या अविकारी शब्द: विस्मयादिबोधक

अभ्यास-कार्यपत्रिका–43

1. 1. अरे! 2. शाबाश! 3. हे भगवान! 4. वाह! 5. हट!
6. छी:! 7. उफ! 8. सावधान! 9. हाय! 10. क्या!

2. 1. वाह! – वाह! कितनी सुंदर झील है।
2. उफ! – उफ! गरमी के मारे दम निकल रहा है।
3. बाप रे! – बाप रे! कैसा भयानक जानवर है।
4. अरे! – अरे! मोहन, तुम कब आए?
5. खबरदार! – खबरदार! आगे पुल टूटा हुआ है।
6. शबाश! – शबाश! इसी तरह प्रथम आते रहो।
7. अच्छा! – अच्छा! राम कहानियाँ भी लिखता है?
8. क्या! – क्या! वे आ गए हैं?
9. ओहो! – ओहो! आखिर तुम आ ही गए।
10. ओह! – ओह! कितना कष्ट सह रहा है।

3.

विस्मयादिबोधक	**भाव**
1. शाबाश!	हर्ष बोधक
2. खबरदार!	चेतावनी बोधक
3. जीते रहो!	आशीर्वाद बोधक
4. अरे!	आश्चर्य बोधक
5. उफ!	शोक बोधक

अव्यय या अविकारी शब्द: निपात

अभ्यास-कार्यपत्रिका–44

1. ऐसे शब्द जो किसी शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ पर विशेष बल देते हैं, निपात कहलाते हैं, जैसे–ही, भी, सा, भर आदि।
उदाहरणार्थ–माली ने ही फूल तोड़ा है। आशा ने भी गीत गाया।

2. 1. ही 2. भी 3. सा 4. तो 5. मात्र

3. छात्र स्वयं करें।

वाक्य

अभ्यास-कार्यपत्रिका–45

1. 1. आठ 2. तीन 3. संकेतवाचक वाक्य 4. मिश्र वाक्य

2. 1. राम 2. मेरी माता जी 3. बच्चे 4. सीता 5. शशिकांत ने

3. 1. चालीस शतक लगा चुका है। 2. बाज़ार गया। 3. नाच रहा है।
4. गाना गा रही है। 5. अखबार पढ़ रहे हैं।

4. 1. प्रश्नवाचक वाक्य 2. आज्ञावाचक वाक्य 3. इच्छावाचक वाक्य
4. विस्मयवाचक वाक्य 5. संदेहवाचक वाक्य 6. संकेतवाचक वाक्य

5. 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य 4. सरल वाक्य 5. मिश्रित वाक्य 6. संयुक्त वाक्य

विराम-चिह्न

अभ्यास-कार्यपत्रिका–46

1. (‘’) उद्धरण-चिह्न 2. (!) विस्मयादिसूचक-चिह्न 3. (०) लाघव-चिह्न 4. (–) निर्देशक-चिह्न 5. (;) अर्धविराम चिह्न

2. 1. बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं घर चलूँ?
2. मोहन जी! सब काम पूरा कर लिया है।
3. मेरी माँ का नाम डॉ० कृष्णा है।
4. केशव विद्वानों जैसे गर्व से कहता–‘‘नहीं री पगली! पहले पर निकलेंगे। बगैर परों के बेचारे, कैसे उड़ेंगे?
5. हमारे देश में तरह-तरह के भोजन, तरह-तरह की पोशाकें प्रचलित हैं।
6. रमेश क्या कर रहा है?
7. अरे, आप यहाँ कब आए?
8. जो सदा सत्य बोलते हैं, उनका सभी सम्मान करते हैं।
9. मालती, तुम उधर बैठो।
10. मेहनत करो; परीक्षा निकट है।
11. सुभाषचंद्र बोस ने कहा, “तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।”
12. राजा (प्रसन्न होकर)–तुम्हें अवश्य पुरस्कृत किया जाएगा।
13. रामचरितमानस के रचयिता महाकवि तुलसीदास हैं।
14. प्रदूषण के निम्नलिखित प्रकार हैं – वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण।
15. डॉ० रवि मोहन।
16. ‘प्रियतम’ कविता के रचयिता हैं–‘सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।’
17. ‘गीता’–हिंदुओं का पवित्र ग्रंथ है।
18. गुरु जी (प्रसन्न होकर)–तुम धन्य हो, पुत्र!
19. मोहन के भाई ने नई कार खरीदी।
20. रवि बी०ए० में पढ़ता है।
21. गीता में कहा गया है, “आत्मा अजर और अमर है।”
22. ‘कामायनी’ एक महाकाव्य है।

23. शेर बोल उठा, "स्वागत है सियार महाराज।"
24. गुरु–क्या हुआ? इस बार पढ़ाई ठीक से नहीं की थी?
25. शिष्य–जी, गुरु जी, इस बात का मुझे अहसास हो गया है।
26. मेला लगा था; लोग चीज़ खरीद रहे थे; राम भी वहाँ आ गया।
27. माँ ने कहा, "तुम जल्दी चले आना।"
28. तुम कहाँ के रहने वाले हो?
29. मालिक–एक गिलास पानी लाओ।
30. विद्यार्थी (विद्या + अर्थी) का अर्थ है, विद्या प्राप्त करने वाला।

मुहावरे

अभ्यास-कार्यपत्रिका–47

1. 1. बहुत दिनों के बाद दिखाई देना 2. मज़ाक उड़ाना 3. मूर्ख
4. दोष लगाना 5. भेद खुलना 6. धोखा देना
7. अच्छे दिन आना 8. बहुत क्रोध करना 9. चुगली करना 10. नष्ट-भ्रष्ट करना

2. 1. जान पर खेल गया 2. पैतरा फेंका 3. छक्के छुड़ा दिए
4. का रंग उड़ गया 5. भाँडा फोड़ दिया 6. में पानी आ गया
7. चिराग जलाए 8. पर कुल्हाड़ी मार ली 9. दो ग्यारह हो गया
10. का हार है।

3. 1. (iv) 2. (iii) 3. (vii) 4. (ix) 5. (viii)
6. (x) 7. (v) 8. (vi) 9. (ii) 10. (i)

अशुद्धि शोधन

अभ्यास-कार्यपत्रिका–48

1. 1. क्योंकि 2. हानि 3. मूल्य 4. आदर्श 5. उज्ज्वल
6. ऋतु 7. धार्मिक 8. संज्ञा 9. सामाजिक 10. बूढ़ा
11. ईश्वर 12. नाराज़ 13. पूर्व 14. चाहिए 15. दृष्टि
16. पैतृक 17. ऋतु 18. हृदय 19. क्षमा 20. चंद्र

2. 1. आशीर्वाद 2. प्रदर्शनी 3. ईर्ष्या 4. प्रयोग 5. विद्यार्थी
6. उपसर्ग 7. उपर्युक्त 8. वृद्ध 9. संस्कृत 10. ड्रम

खंड–ग

(भाषा प्रयोग : रचनात्मक अभिव्यक्ति)

नोट : सामान्य परिचय एवं संकेत-बिंदुओं के आधार पर खंड 'ग' की सभी अभ्यास-कार्यपत्रिकाओं के उत्तर बच्चे स्वयं करें एवं अपने अध्यापक/अध्यापिका से मूल्यांकन कराएँ। पत्र-लेखन का अभ्यास करते समय औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप का ध्यान रखें।

अभ्यास प्रश्न-पत्र

अभ्यास प्रश्न-पत्र–1

खंड-'क'

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–समय।

2. लोग अपनी असफलता के लिए प्रायः समय को दोष देते हैं।

3. समय अपने बारे में बताता है कि

- वह अनमोल है।
- उसे कोई बाँधकर नहीं रख सकता।
- वह निरंतर आगे बढ़ता रहता है।

4. संसार में जो लोग सफल हुए हैं, उनकी सफलता का कारण समय का सदुपयोग करना है।

5. सागर के पर्यायवाची शब्द हैं–वारिधि/जलधि।

2. 1. झंडे का हरा रंग हरियाली का प्रतीक है।

2. झंडे का सफेद रंग शांति भाव को बताता है।

3. कवि ने देशभक्तों को तिरंगा झंडा उठाकर आगे बढ़ने के लिए कहा है।

4. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–तिरंगा।

5. 'झंडा' शब्द के दो पर्यायवाची हैं–पताका/ध्वज।

खंड-'ख'

3. छात्र स्वयं करें।

4. छात्र स्वयं करें।

खंड-'ग'

5. 1. व्याकरण द्वारा भाषा के शुद्ध तथा मानक रूप में उच्चारण, पठन एवं लेखन का ज्ञान होता है।

2. जिन व्यंजनों के उच्चारण के समय जीभ मुँह के किसी भाग से पूरी तरह स्पर्श करती है, उसे स्पर्श व्यंजन कहते हैं।

3. हिंदी में चार संयुक्त व्यंजन होते हैं। 4. चार 5. अग्नि

6. कपड़ा–वसन, अंबर, पट उपवन–बगीचा, फुलवारी, वाटिका 7. आलस्य–स्फूर्ति, संक्षिप्त–विस्तृत

8. दर्ज़ा, पैर, शब्द 9. अपव्ययी 10. कठोर-मनुष्य 11. सूर्य + अस्त

12. परीक्षा 13. महान है जो आत्मा–कर्मधारय समास 14. द्विगु समास

15. उत् 16. इक 17. पथराव 18. वधू 19. श्रोतागण

20. करण कारक 21. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 22. सर्पिल 23. सुनाई

24. अचानक 25. मज़दूरों ने 26. की हत्या कर दी गई 27. आज्ञावाचक वाक्य 28. मिश्र वाक्य

29. कठिन कार्य करना 30. बाल गंगाधर तिलक ने कहा था, ''स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।''

अभ्यास प्रश्न-पत्र–2

खंड-'क'

1. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–बूढ़ी अम्मा

2. बूढ़ी अम्मा की खुशी का कारण है–पोते का घर आना।

3. बूढ़ी अम्मा के घुटने काम के कारण जुड़ जाते हैं।

4. ताँगा रुकने पर बूढ़ी अम्मा दरवाज़े की तरफ तेजी से भागी और बेटू को गोद में उठा लिया।

5. बहू की इस बात पर अम्मा को विश्वास नहीं हुआ कि इस बार बेटू को वे ही रखेंगी।

2. 1. कवि के अनुसार जीवन का सच्चा सच संघर्ष करना है।

2. 'चुपचाप अपने आप से लड़ने' का आशय लगातार मौन रहते हुए संघर्ष करना है।

3. 'काँटे और कलियाँ' जीवन में मिलने वाले दुख-सुख का प्रतीक हैं।

4. कवि कहता है कि जीवन में मनुष्य कभी भी मुसीबतों से डरे नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करें।

5. हार का विलोम है जीत और सच का विलोम है झूठ।

खंड-'ख'

3. छात्र स्वयं करें।

4. छात्र स्वयं करें।

खंड-'ग'

5. 1. ब्रज भाषा, खड़ी बोली।

2. हम लोग हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाते हैं।

3. भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है, जिसके और अधिक टुकड़े नहीं हो सकते।

4. स्पर्श व्यंजन

5. निश्चित अर्थ को प्रकट करने वाले वर्ण-समूह को शब्द कहते हैं।

6. चंद्र का तद्भव रूप चाँद है।

7. अंबर–वस्त्र, आकाश, गगन, नभ।

8. अग्नि–आग, अनल, पावक

9. प्रश्न-उत्तर इधर-उधर

10. बलि–बलिदान, कुर्बानी बली–बलवान, ताकतवर

11. (क) सर्वव्यापक (ख) निर्दोष

12. हरियाली

13. सम्राज्ञी, कवयित्री

14. परसर्ग

15. निजवाचक सर्वनाम

16. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

17. सकर्मक

18. सोहन विद्यालय गया।

19. (क) अचानक (ख) के बिना

20. विधानवाचक।

21. मिश्र वाक्य।

22. प्रति, अति।

23. इक, पन।

24. चार पैरों का समाहार–द्विगु समास।

25. विक्रमादित्य ने कहा, "इस राज्य में किसी को दुखी रहने की अवश्यकता नहीं हैं।"

26. धोखेबाज़ मित्र–राघव, तुम्हारा मित्र अवश्य है, पर तुम उस पर विश्वास मत करना, वह तो आस्तीन का साँप है।

27. (क) व्याकरण (ख) आशीर्वाद

28. (क) आज मंगलवार है। (ख) मुझे बाज़ार ले चलो।

29. रणनीति–र् + अ + ण् + अ + न् + ई + त् + इ हिमालय–ह् + इ + म् + आ + ल् + अ + य् + अ

30. (क) विद्यार्थी (ख) सूक्ति